



अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस

प्रलिस के लयि:

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस, यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र (UN), भाषा संगम, नमथ बसई, राष्ट्रीय शकिसा नीतल 2020 ।

मेन्स के लयि:

स्वदेशी भाषाओं की रकषा के लयि भारत की पहल ।

चरचा में क्यौं?

21 फरवरी, 2023 को मनाए गए [अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस](#) के अवसर पर यह पता चला क आधुनकीकरण एवं [वैशवीकरण](#), वशष रूप से शकिसा की कमी के कारण भारत अपनी कई भाषाओं को खो रहा है ।

- वर्ष 2023 की थीम "बहुभाषी शकिसा - शकिसा को बदलने की आवश्यकता" (Multilingual education— a necessity to transform education) है

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस:

- परचिय
 - [यूनेस्को](#) ने वर्ष 1999 में 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस के रूप में घोषति कयि और वर्ष 2000 से संपूरण वशिव में यह दविस मनाया जा रहा है ।
 - यह दनि [बांग्लादेश](#) द्वारा अपनी मातृभाषा बांग्ला की रकषा के लयि कयि गए लंबे संघर्ष को भी रेखांकति करता है ।
 - कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस के रूप में मनाने का सुझाव दयि था ।



United Nations
Educational, Scientific and
Cultural Organization

International Mother Language Day

21 February



Education
2030

उद्देश्य:

- यूनेस्को ने भाषायी वरिसत के संरक्षण हेतु मातृभाषा आधारित शिक्षा के महत्त्व पर ज़ोर दिया है तथा सांस्कृतिक विविधता की रक्षा के लिये स्वदेशी भाषाओं का अंतरराष्ट्रीय दशक शुरू किया गया है।
 - विश्व के विभिन्न क्षेत्रों की विविध संस्कृतियों एवं बौद्धिक वरिसत की रक्षा करना तथा मातृभाषाओं का संरक्षण करना एवं

उन्हें बढ़ावा देना है।

■ **चर्चा:**

- **संयुक्त राष्ट्र (UN)** के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा वलिपुत हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक वरिसत खो देता है।
- भारत में यह विशेष रूप से उन **जनजातीय क्षेत्रों** को प्रभावित कर रहा है **जहाँ बच्चे उन वदियालयों में सीखने के लिये संघर्ष करते हैं** जिनमें उनको मातृ भाषा में नरिदेश नहीं दिया जाता है।
 - ओडिशा में केवल **6 जनजातीय भाषाओं में एक लखित लिपि है**, जिससे बहुत से लोग साहित्य और शैक्षिक सामग्री तक पहुँच से वंचित हैं।

भाषाओं के संरक्षण के लिये वैश्विक प्रयास:

- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को **स्वदेशी भाषाओं के अंतरराष्ट्रीय दशक** के रूप में नामित किया है।
 - इससे पहले **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतरराष्ट्रीय वर्ष (IYIL) घोषित किया था।
- वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गई **यूलु (Yuelu) उद्घोषणा**, भाषायी संसाधनों और वविधिता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका नभाती है।

स्वदेशी भाषाओं की रक्षा के लिये भारत की पहल:

- **भाषा संगम:** सरकार ने **"भाषा संगम"** कार्यक्रम शुरू किया है, जो छात्रों को अपनी मातृभाषा सहित वभिन्न भाषाओं को सीखने और समझने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- **कार्यक्रम का उद्देश्य बहुभाषावाद और सांस्कृतिक वविधिता को बढ़ावा देना भी है।**
- **केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान:** सरकार ने **केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान** भी स्थापित किया है, जो भारतीय भाषाओं के अनुसंधान और विकास हेतु समर्पित है।
- **वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (Commission for Scientific and Technical Terminology- CSTT):** CSTT क्षेत्रीय भाषाओं में **वशिवदियालय स्तर की पुस्तकों के प्रकाशन हेतु प्रकाशन अनुदान प्रदान कर रहा है।**
 - इसकी स्थापना वर्ष 1961 में सभी भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावली वकिसति करने के लिये की गई थी।
- **राज्य-स्तरीय पहलें:** मातृभाषाओं की रक्षा हेतु कई **राज्य-स्तरीय पहलें** भी हैं। उदाहरण के लिये **ओडिशा** सरकार ने **"अमा घर (Ama Ghara)"** कार्यक्रम शुरू किया है, जो **आदवासी बच्चों** को आदवासी भाषाओं में शिक्षा प्रदान करता है।
 - इसके अलावा **केरल राज्य सरकार** की **नमथ बसाई (Namath Basai)** पहल आदवासी क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा के माध्यम के रूप में स्थानीय भाषाओं को अपनाकर शिक्षित करने में काफी प्रभावी साबित हुई है।

आगे की राह

वर्तमान वकित स्थिति के बावजूद भारत मातृभाषाओं हेतु आशा है क्योंकि **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** में शिक्षा के शुरुआती चरणों से लेकर उच्च शिक्षा तक मातृभाषा आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। इससे इन भाषाओं को दीर्घावधिक बने रहने में मदद मिल सकती है, हालाँकि भाषायी न्याय के सवाल का समाधान करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि भाषा शिक्षा के लिये बाधा नहीं है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजिये: (2021)

1. यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा वविस घोषित किया गया।
2. पाकस्तान की संवधान सभा में यह मांग रखी गई कि राष्ट्रीय भाषाओं में बांग्ला को भी सम्मलित किया जाए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

